आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

❑ वर्ष - 27 ❑ अंक - 140 उज्जैन, रविवार 13 अप्रैल 2025 ❑ कुल पृष्ठ - 8, ❑ कीमत -1 रुपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दिल्ली के लाल किले में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति की पहल को सराहा

वर्तमान और भावी पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से होंगी परिचित

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि मुझे खुशी है कि मध्यप्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।÷ प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। वह भारत की न्यायप्रिय और लोक कल्याणकारी नेतृत्व परंपरा के प्रतीक थे। उन्होंने साहित्य, कला और विज्ञान को जिस रूप में प्रोत्साहित किया, वह आज भी हमारे लिए आदर्श है। उनके काल की विक्रम संवत परंपरा आज भी भारतीय संस्कृति की पहचान है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और प्रदर्शनी का महत्व एक सांस्कृतिक आयोजन से कहीं अधिक है। इसका उद्देश्य हमारे इतिहास, हमारी जड़ों और हमारे आत्मबोध को एक उत्सव के रूप में मनाने का है। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजनों से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से परिचित होंगी और उससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ेंगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिखा है कि सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाकर, आधुनिकता और विरासत को साथ लेकर, इस अमृत काल में विकसित भारत की ओर अग्रसर राष्ट्र पर सभी को गर्व है। इस यात्रा में सम्राट विक्रमादित्य समेत हमारे महापुरुषों से मिली न्याय, पराक्रम और सेवा जैसी शिक्षाएं हमारा मार्गदर्शन करेंगी। यह आयोजन देश की सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त बनाते हुए युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़कर आत्मविश्वास से पूर्ण, जागरूक औ कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप में तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।

कभी था बेहद खास... अब तहव्वुर राणा का काल बनेगा मिस्ट्री गवाह, NIA करवाएगी आमना-सामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकी तहव्वुर राणा से पूछताछ शुरू कर दी है। 18 दिनों की हिरासत में एजेंसी उससे कई राज उगलवाना चाहती है। उससे पाकिस्तानी की खुफिया एजेंसी आईएसआई, हमले में शामिल अन्य सहयोगियों और मुंबई के अलावा किन-किन शहरों को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी... इस बारे में पूछताछ की जाएगी।

राणा का आमना-सामना एक मिस्ट्री गवाह से करवाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसी गवाह ने साल 2006 में डेविड कोलमैन हेडली का मुंबई में स्वागत किया था। गवाह उस समय तहव्वुर राणा का बेहद खास था।

हेडली का स्वागत करने वाला बना गवाह- हिंदुस्तान टाइम्स ने एनआईए के हवाले से बताया कि 2006 से मुंबई हमले की साजिश रची जा रही थी। पाकिस्तान में डेविड हेडली ने आईएसआई और लश्कर के आतंकियों से मिला। उन्होंने हेडली को मुंबई के अहम स्थानों की वीडियोग्राफी करने का निर्देश दिया। इसके बाद हेडली मुबंई पहुंचा। यहां उस प्रोटेक्टेड गवाह ने उसका स्वागत किया।

तेलंगाना के ट्री मैन दरिपल्ली रामैया का निधन, एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए; पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित दरिपल्ली रामैया का शनिवार को तेलंगाना के खम्मम में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। वह ट्री मैन के नाम से प्रसिद्ध थे। रामैया ने पांच दशकों से अधिक समय तक इस मिशन को आगे बढ़ाया और अनुमान है कि अपने जीवनकाल में एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए। खम्मम के रेड्डीपल्ली में घर पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पीएम नरेन्द्र मोदी सहित कई अन्य नेताओं ने रामैया के निधन पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि दरिपल्ली रामैया गारू के अथक प्रयासों में प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम और भावी पीढ़ियों के प्रति चिंता झलकती है। उनका काम युवाओं को हरित ग्रह बनाने के प्रयास के लिए प्रेरित करता रहेगा। ÷इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।रामैया का प्रकृति के प्रति समर्पण इतना था कि जब भी वे घर से बाहर निकलते तो गले में एक बोर्ड लटकाकर चलते थे। इस पर लिखा होता था कि पेड़ों को बचाओ तो पेड़ तुम्हें बचाएंगे।

असम में दुर्लभ प्रजाति की छिपकलियां बरामद, लाखों में है इसकी कीमत; तस्करी कर रहे तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डिब्रूगढ़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों के कब्जे से दुर्लभ प्रजाति की छिपकली टोकाय गेको (ञ्शद्मड्ड4 त्नद्गष्महृश) की 11 छिपकलियों को बरामद किया है और तस्करों को गिरफ्तार किया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन छिपकलियों की भारी मांग है, लेकिन भारत में इनका निर्यात पूरी तरह से प्रतिबंधित है। टोकाय गेको प्रजाति की छिपकली को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत अति संकटग्रस्त प्रजातियों में शामिल किया गया है। इन छिपकलियों की तस्करी करने के मामले में अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसे अधिकतम सात साल की सख्त कैद हो सकती है।

टोकाय गेको छिपकलियां भारत में केवल असम और अरुणाचल प्रदेश के कुछ चुनिंदा इलाकों में ही मिलती है। इन छिपकलियों की दक्षिण-पूर्व एशिया के ग्रे मार्केट में भारी मांग है। इसलिए लोग इन छिपकलियों की तस्करी करते हैं।

गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान 34 वर्षीय देबाशीष डोहुटिया, 28 वर्षीय मनाश डोहुटिया और 40 वर्षीय दीपांकर घरफलिया के रूप में हुई है। बता दें कि पुलिस को टोकाय गेको की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद स्पेशन टास्क फोर्स और डिब्रूगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने मोहनबाड़ी इलाके में जाल बिछाया।

नागपुर की फैक्ट्री में बड़ा हादसा, आग लगने से 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में मौजूद एल्युमीनियम फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। इस लोग इस आग की चपेट में आ गए। खबरों की मानें तो इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

9 लोग आग में झुलसे- न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार नागपुर जिले की एल्युमीनियम फैक्ट्री अचानक से आग की चपेट में आ गई। इस आग में 9 लोग बुरी तरह से झुलस गए। इनमें से 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 6 गंभीर रूप से घायल थे। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इस दौरान 2 अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया। 4 घायलों की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

विस्फोट के बाद लगी आग- नागपुर ग्रामीण के एसपी हर्ष पोद्दार ने बताया कि उमरेर में स्थित एल्युमीनियम फैक्ट्री में भयंकर विस्फोट हुआ। इसी दौरान फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 5 लोगों की जान चली गई है। मृतकों में मौजूद 2 लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं 3 मृतकों का पहले कुछ पता नहीं चला। हालांकि बाद में उनके शवों की भी शिनाख्त हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह हादसा बीती शाम तकरीबन 7 बजे का है। फैक्ट्री में अचानक विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर तक सुनने को मिली।

5 साल से थी नौकरी की तलाश, विदेशी होने का दावा; फर्जी डॉक्टर की इनसाइड स्टोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक शख्स ने नौकरी के लिए आवेदन किया। बायोडाटा में उसने खुद को कार्डियोलॉजिस्ट यानी हृदय रोग विशेषज्ञ बताया। उसका दावा था कि वो पिछले कई सालों से इस प्रोफेशन में है और हजारों मरीजों की हार्ट सर्जरी कर चुका है। इस शख्स का नाम नरेंद्र यादव उर्फ एनकेम जॉन था, जिसने एक ही कंपनी में 3 बार जॉब के लिए अप्लाई किया था। नरेंद्र को पुलिस ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया।

DMK को जल्द उखाड़ फेंकेंगे...AIADMK के NDA में शामिल होने पर क्या बोले पीएम मोदी?

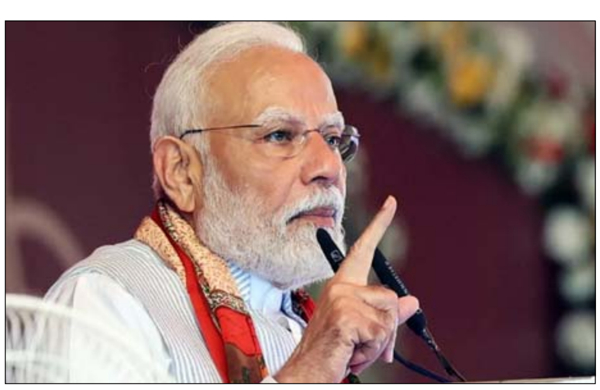

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर तमिलनाडु की सियासत में भारी उलटफेर देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की बागडोर नयनार नागेंद्रन को देने का फैसला कर लिया है। वहीं, AIADMK ने NDA में शामिल होने का एलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर अपनी खुशी जाहिर की है।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि तमिलनाडु के विकास के लिए हम सभी मजबूती से एक-दूसरे के साथ खड़े हैं।

पीएम मोदी ने क्या कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु की प्रगति के लिए हम सभी एक होकर काम करेंगे। मुझे खुशी है कि AIADMK भी अब NDA परिवार में शामिल हो गई है। अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर हम पूरी लगन से राज्य की सेवा करेंगे और तमिलनाडु को विकास की नई ऊंचाईयों पर ले जाएंगे। हम राज्य में एक ऐसी सरकार स्थापित करेंगे, जो MGR और जयललिता के सपने को साकार करेगी।

पीएम मोदी ने लिखा कि तमिलनाडु की प्रगति और तमिल संस्कृति को संजोने के लिए भ्रष्ट और विभाजनकारी DMK को जल्द से जल्द उखाड़ फेंकना बेहद जरूरी है। यह काम हमारा गठबंधन करेगा।

गृह मंत्री ने की थी घोषणा- बता दें कि शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने AIADMK के NDA गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की थी। गृह मंत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव साथ लड़ने का जिक्र करते हुए कहा था कि AIADMK और बीजेपी नेताओं ने गठबंधन बनाने पर सहमति दर्ज की है। अगले साल यानी 2026 में तमिलनाडु में चुनाव हो सकते हैं।

सियासी समीकरण- बीजेपी पिछले काफी समय से तमिलनाडु में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश कर रही है। लोकसभा चुनाव 2024 में भी बीजेपी ने तमिलनाडु में जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। हालांकि दक्षिण भारत के राज्यों में पार्टी कोई सीट नहीं जीत सकी। वहीं, AIADMK भी तमिलनाडु में वापसी की जद्दोजहद में जुटी है।

कोडक के कैमरों ने कैसे दूसरे विश्वयुद्ध में निभाई थी अहम भूमिका, रातोंरात क्यों मार्केट से गायब हुई कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 80-90 का दशक चल रहा हो और किसी की शादी हो रही है या फिर किसी के जन्मदिन की पार्टी, इन सब समारोह में एक चीज कॉमन दिखती थी, वो था कोडक का कैमरा। उस दौर में कोडक कैमरा लोगों के हाथों में आसानी से दिख जाता था और लोग अपने खास पलों को कोडक के कैमरे में क्लिक करके समेट लेते थे।

लेकिन, एक आज का दौर है जब कोडक कंपनी बाजार से लगभग गायब हो चुकी है और शायद ही अब कोई कोडक के कैमरों का इस्तेमाल करता होगा। विश्व को पहला डिजिटल कैमरा देने वाली कंपनी खुद को डिजिटल वर्ल्ड में ढाल नहीं पाई और इसे अंत का सामना करना पड़ा।

क्या है कोडक कैमरा- कोडक कैमरे को बनाने वाली कंपनी की शुरुआत साल 1880 में कोडक कंपनी के नाम से हुई थी। इस कैमरे को पूरी दुनिया के सामने साल 1888 में जॉर्ज ईस्टमैन ने पेश किया था। उस वक्त ये कैमरा काफी महंगा हुआ करता था।

यह एक ऐसा कैमरा था जिसमें एक पेपर फिल्म के जरिए एक साथ सौ फोटो खींची जाती थी।

कैमरे के मार्केट में आने पर ईस्टमैन ने नारा दिया था आप बटन दबाइए, बाकी हम करेंगे।

हालांकि कैमरा पेश करने के कुछ ही दिनों बात ईस्टमैन ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया था।

दूसरे विश्वयुद्ध में कोडक कैमरे ने कैसे निभाई थी अहम भूमिका- बता दें, 1940 के दशक में 35द्वद्व इस कैमरे का इस्तेमाल फिल्मों में काफी ज्यादा किया जाता था। इसके अलावा दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान कई पत्रकारों ने कोडक कैमरे की मदद से फोटो खींचकर युद्ध की तस्वीर दुनिया तक पहुंचाई थी।

डिजिटल कैमरे के रूप में हुई पहचान- 19वीं सदी में इस कैमरे की कीमत काफी ज्यादा होने की वजह से यह बहुत कम लोगों तक ही पहुंच पाया था।

ट्रंप का दिल-दिमाग ठीक है या नहीं, टैरिफ विवाद के बीच व्हाइट हाउस ने की मेडिकल जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ वार के बीच व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रवार को शारीरिक और मानसिक परीक्षण किया। हालांकि टेस्ट रिपोर्ट अभी तक तैयार नहीं हुई है। इस बीच ट्रंप ने कहा कि मैंने जांच में अच्छा किया है। हमारा दिल, आत्मा और कॉग्निटिव एबिलिटी बिल्कुल ठीक है। वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में ट्रंप लगभग पांच घंटे रुके। यहां उन्हें कई परीक्षणों से गुजरना पड़ा।

बाइडन से तीन साल छोटे हैं ट्रंप

78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप जनवरी 2025 में अमेरिकी इतिहास के सबसे अधिक उम्र में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले नेता बने। उम्र के लिहाज से डोनाल्ड ट्रंप बाइडन से तीन साल छोटे हैं। ट्रंप अक्सर बाइडन की शारीरिक और मानसिक क्षमताओं पर सवाल उठाते रहे हैं। मगर अपना मेडिकल रिकॉर्ड जारी नहीं किया। जब उनसे मेडिकल परीक्षण के बारे में पूछा गया तो कहा कि मैं वहां लंबे समय तक रहा। मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छा किया।

रविवार तक आ सकती रिपोर्ट

ट्रंप ने कहा कि उम्मीद है कि रविवार तक शारीरिक परीक्षण की रिपोर्ट आ जाएगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का कहना है कि ट्रंप की अभी जांच की जा रही है। जितनी जल्दी हो सकेगा, व्हाइट हाउस के चिकित्सक ट्रंप के स्वास्थ्य से जुड़ा ब्योरा साझा करेंगे।

ट्रंप बोले- मैंने हर उत्तर सही दिया - परीक्षण के बाद ट्रंप एयर फोर्स वन से फ्लोरिडा पहुंचे। हवाई यात्रा के दौरान उन्होंने मीडिया को बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें लाइफस्टाइल में बदलाव की सलाह दी है। उनका कहना है कि इससे स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। मुझे लगा कि मैं बहुत अच्छी स्थिति में हूं। हमारे पास एक अच्छा दिल और अच्छी आत्मा है।

ट्रंप ने यह भी जानकारी दी कि उन्हें एक कॉग्निटिव एबिलिटी टेस्ट से भी गुजरना पड़ा। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि आपको क्या बताऊं? सिवाय इसके कि मैंने हर उत्तर सही दिया।

मेडिकल रिपोर्ट जारी करने से बचते हैं ट्रंप - ट्रंप ने अभी तक अपने स्वास्थ्य से जुड़ी कई जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया है। पिछले साल अगस्त महीने में सीबीएस के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा था कि वह जल्द अपना मेडिकल रिकॉर्ड जारी करेंगे।

यूक्रेन में युद्धविराम को लेकर ट्रंप के दूत ने पुतिन से की बात, दोनों राष्ट्रपतियों की जल्द हो सकती है मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को रूस के शहर सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन ने बताया है कि मुलाकात में यूक्रेन की स्थिति पर विचार हुआ और वहां पर शांति स्थापित करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई-

इस दौरान ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। उधर, वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन में युद्धविराम पर रूस तेजी से काम कर रहा है।

विटकॉफ ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की- पुतिन से मुलाकात से पहले विटकॉफ की पीटर्सबर्ग में पुतिन के निवेश मामलों के दूत किरिल दिमित्रिएव के साथ वार्ता हुई। इसके बाद विटकॉफ ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। विटकॉफ अमेरिका और रूस के संबंधों को पटरी पर लाने के सिलसिले में अहम व्यक्ति बनकर उभरे हैं।

रूस में विटकॉफ की पुतिन से यह तीसरी मुलाकात हुई - ट्रंप के विश्वासपात्र के रूप में वह रूस के साथ ही यूक्रेन के भी संपर्क में हैं। लेकिन उनकी रूस यात्रा से किसी बड़े परिणाम की उम्मीद नहीं की जा रही है।

भारत यात्रा पर आएंगे ट्रंप के चहेते अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात; टैरिफ पर वार्ता संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के सबसे विश्वासपात्रों में से एक अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस भारत दौरे पर आएंगे। पीटीआई के मुताबिक, वेंस के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज भी आएंगे, वहीं दोनों नेताओं की 21 अप्रैल को नई दिल्ली में आने की उम्मीद है।

शीर्ष सूत्रों ने शुक्रवार रात पीटीआई को बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दोनों 21 अप्रैल से अलग-अलग भारत की यात्रा पर जा सकते हैं। वेंस की यात्रा एक निजी यात्रा होने की संभावना है, हालांकि इस यात्रा के दौरान वह आधिकारिक कार्यों में भी भाग लेंगे।

पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात- सूत्रों ने कहा कि वाल्ट्ज की यात्रा पूरी तरह से व्यावसायिक यात्रा होगी क्योंकि वह अपने भारतीय वार्ताकारों के साथ इंडो-पैसिफिक में सुरक्षा स्थिति सहित कई प्रमुख मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे। वेंस और वाल्ट्ज दोनों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है, इससे पहले कि वे 22 अप्रैल से सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाएं।

भूकंप के झटकों से कांपी 5 देशों की धरती, भारत-पाक में भी लगे झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के कई देशों में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। सुबह से लेकर दोपहर तक पांच देशों में झटके महसूस किए गए। भारत सहित पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, टोंगा और पपुआ न्यू गिनी में रिएक्टर स्केल पर 4.0 से लेकर 6.5 तीव्रता तक के भूकंप आए।

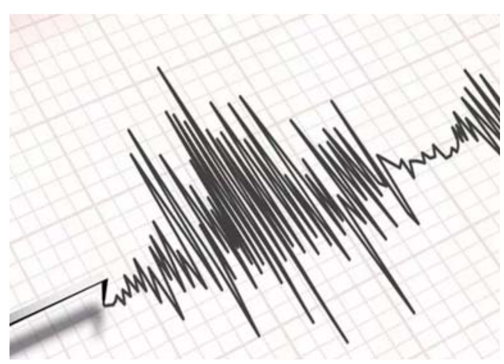

भारत के जम्मू-कश्मीर में महसूस हुए भूकंप के झटके- जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से लोग डरकर अपने घरों से बाहर आ गए। हालांकि, किसी तरह के जानमाल के नुकसान होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और ताजिकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी इलाके में भूकंप से कांपी धरती, लेकिन किसी बड़े नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है।

टोंगा में आया जोरदार भूकंप- ताजिकिस्तान में रिएक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप जमीन से 110 किलोमीटर की गहराई में आया था। इसके साथ ही टोंगा और पपुआ न्यू गिनी में भी आज भूकंप आया। टोंगा में भूकंप की तीव्रता 6.5 के आसपास मापी गई। तो वहीं पपुआ न्यू गिनी में रिएक्टर स्केल पर 5.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

कौन है महमूद खलील जिसे अमेरिका से किया जाएगा डिपोर्ट, फलस्तीन का समर्थन करना क्यों पड़ा भारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक्टिविस्ट महमूद खलील को फलस्तीन का समर्थन करने पर गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद जमकर बवाल मचा था। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उसकी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए न्यूयॉर्क में प्रदर्शन किया था। अब महमूद खलील को डिपोर्ट करने को लेकर अमेरिकी कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है।

अमेरिकी इमिग्रेशन जज ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि फलस्तीनी समर्थक महमूद खलील को डिपोर्ट किया जाना चाहिए। बता दें, खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी का छात्र है, जिसे न्यूयॉर्क शहर में एक महीने पहले गिरफ्तार किया गया था।

कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया?

फलस्तीनी कार्यकर्ता महमूद खलील को डिपोर्ट किए जाने का फैसला लुइसियाना में लासेल इमिग्रेशन कोर्ट के जज जेमी कॉमन्स ने सुनाया है। हालांकि, इस फैसले के आधार पर सिर्फ खलील को डिपोर्ट नहीं किया जा सकता है। लेकिन इस फैसले को ट्रंप की एक तरह से जीत मानी जा रही है।

विदेश मंत्री ने लिखा पत्र- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 1952 के इमिग्रेशन और राष्ट्रीयता अधिनियम का हवाला देते हुए पिछले महीने निर्धारित किया था कि खलील अमेरिकी विदेश नीति के हितों को नुकसान पहुंचा सकता है और उनके भाषण और सक्रियता के लिए उन्हें डिपोर्ट किया जाना चाहिए।

व्हाइट हाउस में ओबामा की जगह लगाई गई ट्रंप की जानलेवा हमले वाली फोटो, बुश की तस्वीर भी होगी शिफ्ट

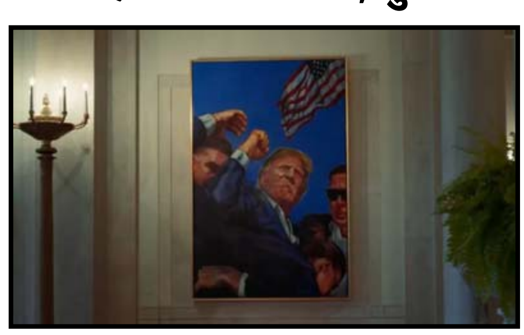

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल जुलाई महीने में पेंसिल्वेनिया के बटलर काउंटी के मैदान में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी। इसके बाद ट्रंप की एक फोटो दुनियाभर में वायरल हुई थी।

इसमें ट्रंप मुट्ठी बांधकर मजबूत से लड़ने का इशारा करते हैं। अब उनकी यही फोटो व्हाइट हाउस में लगाई गई है। खास बात यह है कि ट्रंप की यह पेंटिंग पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की आधिकारिक तस्वीर को हटाकर लगाई गई है।

बुश की फोटो भी होगी शिफ्ट- 2022 में अनावरण के बाद ओबामा का चित्र स्टेट फ्लोर के फोयर में राष्ट्रपति निवास की सीढ़ियों के पास लगाया गया था। मगर अब उसे उसी के सामने दूसरी दीवार में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश का फोटो लगा था। बुश के फोटो को भी शिफ्ट किया जाएगा। उनकी फोटो उनके पिता जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश की तस्वीर के पास लगाई जाएगी।

ट्रंप ने नहीं की थी ओबामा की मेजबानी- 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने ओबामा की तस्वीर के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल की मेजबानी की थी। डेमोक्रेट बिल क्लिंटन ने रिपब्लिकन जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और राष्ट्रपति बुश ने क्लिंटन की मेजबानी की थी।

बिना राज्यपाल की मंजूरी के कानून बन गए 10 विधेयक, सुप्रीम कोर्ट को क्यों सुनाना पड़ा ऐसा फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना कोई विधेयक कानून बन चुका है। ये ऐतिहासिक घटना सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद हुई, जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधेयकों को मंजूरी न दिए जाने के मामले में सुनवाई हो रही थी।

न्यायमूर्ति एसबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि इन विधेयकों को उस तारीख से मंजूरी दी गई मानी जाएगी, जिस दिन इसे फिर से पेश किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने की थी टिप्पणी- पीठ ने टिप्पणी की कि राज्यपाल ने विधेयकों को पहली बार में मंजूरी नहीं दी। जब इसे दोबारा भेजा गया, तो अब राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित नहीं किया जा सकता। बता दें कि इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के रवैये पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि विधेयकों में मुद्दों को खोजने में उन्हें तीन साल क्यों लगे।

बता दें कि तमिलनाडु की सरकार और राज्यपाल के बीच गतिरोध लंबे समय से चला आ रहा है। तमिलनाडु की विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिल पा रही थी। विधेयकों को लौटाने के बाद इन्हें दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, फिर भी ये बिल मंजूरी के बिना लटके हुए थे।

10 विधेयक बन गए कानून- इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राज्य सरकार ने राज्यपाल पर जानबूझकर विधेयकों में देरी करने और विकास को बाधित करने का आरोप लगाया था। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 10 विधेयक बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के कानून बन गए है।

इन विधेयकों में राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर संशोधित नियम शामिल हैं। स्टालिन सरकार ने इसे भारतीय राज्यों के लिए एक बड़ी जीत बताते हुए अदालत का धन्यवाद दिया है।

फोन पर पत्नी को दिया तीन तलाक, महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ दर्ज हुई FIR

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में तीन तलाक का मामला सामने आया है। यहां एक साल से अलग रह रही पत्नी को पति ने फोन पर तीन तलाक दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ केस दर्जकर लिया है। पुलिस को दी गई महिला की शिकायत के मुताबिक पति ने महिला के पिता के फोन पर कॉल करके उसे तीन तलाक दिया है।

पुलिस ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (क्रूरता), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 के साथ-साथ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि कोंडाट्टी की रहने वाली महिला पिछले एक साल से अपने पति से अलग रह रही है। उसने आरोप लगाया है कि जब वह अपने ससुराल में थी तो उसके पति और परिवार के अन्य लोगों ने क्रूरता की। इस वजह से भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच के बाद एक्शन लेगी पुलिस - पुलिस का कहना है कि शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

RSS संस्थापक के नाम पर केरल में बवाल, कांग्रेस ने बीजेपी नेता के खिलाफ दर्ज कराई FIR

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में विकलांगों के लिए बने कैशल विकास केंद्र ने सत्ता के गलियारों में भूचाल खड़ा कर दिया है। इसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने हैं। इसके नाम को लेकर सियासत इतनी बढ़ी कि बात पुलिस स्टेशन तक जा पहुंची। कांग्रेस विधायक ने बीजेपी नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी है। तो आइए जानते हैं कि आखिर पूरा माजरा क्या है?

नाम पर मचा हंगामा- दरअसल शुक्रवार को केरल के पलक्कड़ में बीजेपी नेता ने विकलांगों के लिए एक कौशल विकास केंद्र की नींव रखी। इस केंद्र का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केबी हेडगेवार के नाम पर रखा गया है। इसी नाम को लेकर कांग्रेस में घमासान छिड़ गया। कांग्रेस विधायक समेत कई कार्यकर्ताओं ने इसके नाम पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की, जिसे लेकर बीजेपी नेता भी मुखर हो गए।

बीजेपी नेता ने दी चेतावनी- पलक्कड़ से बीजेपी के जिलाध्यक्ष प्रशांत सिवन ने पलक्कड़ के कांग्रेस विधायक ममकूटाथिल को सरेआम धमकी दे डाली। प्रशांत ने कहा कि अगर वो चाह लें तो ममकूटाथिल का पलक्कड़ में पैर रखना भी मुश्किल हो जाएगा। वहीं, प्रशांत पर पलटवार करते हुए ममकूटाथिल ने कहा कि जब तक उनके पैर सलामत हैं, वो RSS के खिलाफ डटकर खड़े रहेंगे।

नेशनल हेराल्ड मामले में ED का एक्शन शुरू, कब्जे में ली जाएगी 661 करोड़ की संपत्ति; नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि उसने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किए हैं, जिन्हें उसने कांग्रेस नियंत्रित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच में कुर्क किया था।

जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा इलाके में परिसर और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल भवन में ये नोटिस चिपकाए हैं।

पीएमएलए के तहत कार्रवाई- नोटिस में परिसर को खाली करने या मुंबई की संपत्ति के मामले में किराए को ईडी को हस्तांतरित करने की मांग की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत की गई है।

इसमें ईडी द्वारा कुर्क की गई और निर्णायक प्राधिकरण (पीएमएलए) द्वारा पुष्टि की गई संपत्तियों को कब्जे में लेने की प्रक्रिया के बारे में जिक्र है। इन अचल संपत्तियों को ईडी ने नवंबर 2023 में कुर्क किया था।

राहुल और सोनिया के पास शेयर- धन शोधन का यह मामला एजेएल और यंग इंडियन से जुड़ा हुआ है। नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन एजेएल द्वारा किया जाता है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी यंग इंडियन के मेजॉरिटी शेयरधारक हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं।

ईडी का कहना है कि यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपये के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपये के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपये के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध की आगे की आय अर्जित करने के लिए किया गया।

Salary Hike के बदले शारीरिक शोषण करना चाहता था IAS अधिकारी, पुलिस ने बिठा दी SIT जांच, FIR भी दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागालैंड पुलिस ने इन्वेस्टमेंट एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ नागालैंड में काम करने वाली कई महिला कर्मचारियों द्वारा एक IAS अधिकारी पर यौन और मानसिक उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम बनाई है और एक FIR दर्ज की है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नागालैंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नगिनयेह कोन्याक ने 17 मार्च को पुलिस महानिदेशक को लिखित शिकायत दी थी। इससे पहले 27 फरवरी को IDAN के चेयरमैन अबू मेथा ने इस IAS अधिकारी के खिलाफ मौखिक शिकायत की थी। अबू मेथा मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के सलाहकार भी हैं।

संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत है आरोपी- आरोपी IAS अधिकारी IDAN, कोहिमा में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हालांकि, उन्होंने महिला कर्मचारियों द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। NSCW ने DGP को लिखित शिकायत देने से पहले पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज किए थे, जो IDAN में काम करती हैं। IDAN में काम करने वाली कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि IAS अधिकारी ने वेतन वृद्धि और अन्य लाभों के बदले शारीरिक संबंध की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस मुख्यालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत 25 मार्च को एक महिला डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस की अगुवाई में प्रारंभिक जांच शुरू की। इस महिला अधिकारी ने जांच पूरी की और 1 अप्रैल को DGP को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

जांच में सामने आए गंभीर तथ्य- अधिकारी ने बताया कि महिला DSP की रिपोर्ट में प्रथम दृष्ट्या भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 और 79 के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध होने के संकेत मिले। यह एक संज्ञेय अपराध है।

तीन महीने के भीतर बिल पर फैसला लेना जरूरी, पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक खास टिप्पणी करते हुए कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर तीन महीने के अंदर फैसला लेना चाहिए। ये पहला मौका है जब सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के लिए कोई समय सीमा तय की है।

दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला शुक्रवार को ऑनलाइन अपलोड हो गया है। फैसले के अनुसार, पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने ये तय किया है कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की तरफ से उनके विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना चाहिए।

कोर्ट का फैसला वेबसाइट पर अपलोड- बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि की तरफ से राष्ट्रपति के विचार के लिए रोके गए और आरक्षित किए गए 10 विधेयकों को मंजूरी देने और राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए सभी राज्यपालों के लिए समयसीमा निर्धारित की थी। इसके कुछ दिनों बाद 415 पन्नों का एक फैसला शुक्रवार रात को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

तीन महीने के भीतर लेना होगा निर्णय - सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा को अपनाना उचित समझते हैं तथा निर्धारित करते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस अवधि से अधिक देरी होने पर उचित कारण दर्ज करके संबंधित राज्य को सूचित करना होगा। राज्यों को भी सहयोगात्मक होना चाहिए और उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग करना चाहिए तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करना चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर आधुनिक युग में आपसी रिश्तों. नातों, संबंधों की प्रगाड़यता का बहुत बड़ा असर न केवल निजी जिंदगी पर पड़ता है...

वैश्विक स्तरपर आधुनिक युग में आपसी रिश्तों. नातों, संबंधों की प्रगाड़यता का बहुत बड़ा असर न केवल निजी जिंदगी पर पड़ता है बल्कि सार्वजनिक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तरपर भी पड़ता है। ठीक उसी तरह अपनी वाणी की शालीनता से भी निजी राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तरपर बहुत फर्क पड़ता है, जो हम अपनी निजी जिंदगी में तो देखते ही हैं,परंतु हम इसका असर राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी आए दोनों देखते ही रहते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इन दोनों बातों का सटीक उदाहरण हमें 8 अप्रैल 2025 को देखने को मिला, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बांग्लादेश पर 8 अप्रैल 2025 से ट्रांसशिपमेंट की सुविधा पर रोक लगा दी गई है, परंतु दो देशों नेपाल भूटान को इससे छूट दी गई है। बता दें यह ट्रांसशिपमेंट की सुविधा 2020 से दी गई थी परंतु बता दें 26-29 मार्च को चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रमुख नें टिप्पणी की थी, उनके बयान को विवादास्पद माना गया।हालांकि,भारतीय अधिकारियों ने ये पुष्टि नहीं की है कि ट्रांसशिपमेंट फैसिलिटी हटाने का कारण उनके बयान ही हैं या नहीं एक प्रिंट मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता के बयान कुछ इस प्रकार से हैं,बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट फैसिलिटी की वजह से हमारे हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर बहुत ज्यादा भीड़ हो गई थी, इससे हमारे काम में देरी हो रही थी और लागत भी बढ़ रही थी, जिससे भारत के अपने एक्सपोर्ट पर असर पड़ रहा था, इसलिए 8 अप्रैल,2025 से ये सुविधा बंद कर दी गई है,लेकिन ये साफ कर देना जरूरी है कि ये फैसला नेपाल और भूटान को भेजे जा रहे बांग्लादेशी सामान पर लागू नहीं होता, वो पहले की तरह भारत के रास्ते जा सकेंगे। बता दें, भारतीय निर्यातकों, खासकर कपड़ा उद्योग से जुड़े निर्यातकों ने पहले भी सरकार से पड़ोसी देश को दी जाने वाली इस सुविधा को वापस लेने का आग्रह किया था। जून 2020 में, भारत ने भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से बांग्लादेश से माल के परिवहन की अनुमति दी थी, अब फर्क यह होगा कि भारत में ट्रांसफर शिपमेंट बैंक के आदेश से बांग्लादेश का एक्सपोर्ट खर्च तीन गुना बढ़ सकता है व प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर घास घातक असर पड़ेगा इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बांग्लादेश को बड़बोलापन भारी पड़ा, भारत की आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक का असर सैन्य कार्रवाई से भी अधिक मारक होगा।

साथियों बात अगर हम भारत ने बांग्लादेश के लिए ट्रांसशिपमेंट की सुविधा बंद करने की करें तो, इस सुविधा से वह भारतीय जमीन का इस्तेमाल करके कई देशों में सामान एक्सपोर्ट करता था, विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारतीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर ट्रांसशिपमेंट की वजह से काफी भीड़भाड़ रहती थी, जिसके चलते हमारे अपने एक्सपोर्ट में देरी हो रही थी और बैकलॉग हो रहा था।विदेश मंत्रालय ने कहा कि काफी समय से एपेरेल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल बांग्लादेश की ट्रांसशिपमेंट सुविधा बंद करने की मांग कर रहा था, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, पिछली व्यवस्था के तहत जो बांग्लादेशी एक्सपोर्ट कार्गो भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें शिपमेंट की अनुमति है। साल 2020 में भारत सरकार ने बांग्लादेश को ट्रांसशिपमेंट की सुविधा दी थी, जिसके तहत उसके एक्सपोर्ट गुड्स को भारतीय जमीन के जरिए नेपाल, भूटान, म्यांमार और दूसरे देशों को भेजा जाता था। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने 8 अप्रैल को नोटिफकेशन जारी करके इस सुविधा को तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया था, जिसके बाद चर्चा थी कि अब बांग्लादेश इन मुल्कों को सामान एक्सपोर्ट नहीं कर पाएगा। हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने साफ किया है कि ढाका भारत के जरिए नेपाल और भूटान में एक्सपोर्ट कर सकता है।

के. पी. सक्सेना

कलिका प्रसाद सक्सेना भारतीय व्यंग्यकार व लेखक थे। स्वदेश, लगान, हलचल और जोधा अकबर जैसी फिल्मों की पटकथा और संवाद लिखने का कार्य उन्होंने किया था। वर्ष 2000 में के. पी. सक्सेना को पद्म श्री और 2008 में राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान से सम्मानित किया गया था।

परिचय

के. पी. सक्सेना का जन्म 13 अप्रॅल सन 1932 को आज़ादी से पूर्व बरेली, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता शम्भू सरन सक्सेना सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता मुज़फ़्फर अली के पिता सज्जाद अली की रियासत कोटवारा (लखीमपुर)के दीवान हुआ करते थे और घोड़े से गिरकर उनकी मृत्यु हुई थी। उस वक़्त के. पी. सक्सेना की उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। ये परिवार के लिए एक बड़ा सदमा था। उनकी माँ दुर्गादेवी की उम्र उस वक़्त सिर्फ अट्ठाइस वर्ष की थी।

शिक्षा

पिता के देहांत के बाद के. पी. सक्सेना व उनके छोटे भाई अनिल के पालन पोषण का दायित्व मामा दुर्गा दयाल और उनकी पत्नी ने उठाया। मामा-मामी की अपनी कोई संतान नहीं थी और दोनों भाइयों की देखभाल अपनी संतान के समान ही की। मामा-मामी से मिले इस निःस्वार्थ प्यार और सहारे के लिये के वे आजीवन उनके आभारी रहे। कम उम्र में ही पिता का साया उठ जाने से वो जीवन के प्रति संवेदनशील और गंभीर हो गए थे और हमेशा उनकी यही इच्छा रही कि शीघ्र स्वयं को इस योग्य बनाएं की अपने पैरों पर खड़े हो सकें और कुछ ऐसा करें कि उनकी माँ, मामा और मामी सभी को उन पर गर्व हो।

पढ़ाई में वे बचपन से मेधावी थे। घर में लाइट न होने से असुविधा के कारण स्ट्रीट लाइट में पढ़ाई कर लिया करते थे। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट फर्स्ट डिविज़न में उत्तीर्ण करने के बाद जब मामा ने आर्थिक परेशानियों के कारण आगे ना पढ़ा पाने की बात कही तो उन्होंने आगे की अपनी पढाई का खर्चा स्वयं ही ट्यूशन द्वारा उठाने का निर्णय लिया। साठ रुपय की दो ट्यूशन उस वक़्त वो किया करते थे जिससे अपनी और भाई की पढ़ाई का खर्च निकालते रहे और किसी भी विपरीत परिस्थिति को अपने मार्ग में अवरोध नहीं बनने दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय से वनस्पतिशास्त्र में स्नातकोत्तर में टॉप करने के बाद क्रिस्चियन कॉलेज में दो वर्ष लेक्चरर पद पर कार्य किया।

लेखन व रेलवे की नौकरी

दो वर्ष पढ़ाने के बाद के. पी. सक्सेना को अपने इसी प्रिय विषय वनस्पतिशास्त्र पर स्नातक कक्षाओं के लिए किताबें लिखने की इच्छा जाग्रत हुई तो घर बैठकर एक दर्जन से भी अधिक वनस्पतिशास्त्र पर किताबें लिख डालीं। अतः व्यंग्य आदि साहित्यिक विधाओं से भी पहले वनस्पतिशास्त्र वो पहले विषय था जिसमें उन्हें लेखक होने का गौरव प्राप्त हुआ, उनके द्वारा लिखी गयी ये पुस्तकें स्नातक छात्रों द्वारा बहुत पढ़ी गईं। इसके बाद माँ के कहने पर ही रेलवे में आवेदन दिया क्यूंकि उनके दादा रेलवे में ही कार्यरत थे और माँ की इच्छा थी कि वो भी भारतीय रेल विभाग में ही काम करें। माँ की इस इच्छा का सम्मान करते हुए उन्होंने स्टेशन मास्टर की नौकरी स्वीकार कर ली और नौकरी के साथ साथ परिवार की ज़िम्मेदारियों को भी पूर्ण समर्पण से निभाते रहे क्यूंकि इस वक़्त तक उनका विवाह सावित्री सक्सेना से हो चूका था। एक सच्चे जीवन साथी की भांति वो उनका साथ निभाती रहीं।

रेलवे की अपनी बेहद कठिन नौकरी को निभाते हुए भी के. पी. सक्सेना लिखने का समय निकाल लिया करते थे और एक लेखक के तौर पर उनकी बात करें तो अपने साहित्यक जीवन का आरम्भ उन्होंने अपनी नौकरी के समय में ही किया था। बतौर लेखक उन्होंने शुरुवात करी उर्दू-फ़ारसी में अफ़साने लिखने से जो उस वक़्त पाकिस्तान की प्रसिद्ध पत्र पत्रिकाओं में छपा करते थे। इस विषय में शायद ही किसी को जानकारी होगी और ये उन्होंने स्वयं अपने एक इंटरव्यू में बताई थी।

इसके पश्चात हिंदी लेखन का प्रारम्भ हुआ स्वतंत्र भारत के अख़बार में कहानी लिखने से। अपनी प्रथम कहानी पर उन्हें पांच रुपय का पारिश्रमिक भी मिला था। ये कथाएं निरंतर छपती रहीं और उन्हें और भी बेहतर लिखते रहने की प्रेरणा ईश्वरीय अनुकम्पा और अपनी मेहनत से मिलती रही। अपने दिए कई इंटरव्यू में के. पी. सक्सेना ने एक उस दौर की भी बात करी है। अक्सर जब संपादक उनकी रचनाएं वापिस लौटा दिया करते थे, पर निराश होना हारना उन्होंने सीखा ही नहीं था। अतः हमेशा इसी प्रयास में लगे रहे कि किस प्रकार अपने लेख और रचनाओं को बनाया जाए जिससे न सिर्फ़ सम्पादकों द्वारा स्वीकृति मिले बल्कि पाठकों में भी ख्याति प्राप्त हो।

पत्रिकाओं के लिये लेखन

इस स्वप्न को पूरा करने के लिए उन्होंने जी तोड़ मेहनत करी और लिखने के साथ साथ अन्य प्रतिष्ठित लेखकों को भी पढ़ते रहे और स्वयं को हर दिन निखारते रहे। धर्मयुग, मनोरमा, पराग नंदन, लोटपोट जैसी बहुचर्चित पत्रिकाओं से वे भविष्य में जुड़े जुड़े और अलग-अलग विषयों पर लिखते रहे। पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के बाद अगला पड़ाव जीवन में आया आकाशवाणी, लखनऊ से जुड़ने का, जिसका श्रेय वो अपने सबसे करीब मित्र और अपने साहित्यिक गुरु अमृतलाल नागर के बड़े सुपुत्र कुमुद नागर को देते थे जो यूनिवर्सिटी में उनके सहपाठी भी थे।

व्यंग्य में उनका पदार्पण हुआ उन दिनों कानपुर से छपने वाली एक पत्रिका 'मनु' से, जो कानपुर से प्रकाशित होकर अलग अलग शहरों में भेजी जाती थी। इस पत्रिका में उनका पहला व्यंग्य 'तलाश एक आदमी की' प्रकाशित हुआ। माँ वीणावादिनी की कृपा उन पर कुछ यूँ थी ये पहला ही व्यंग्य इतना सफ़ल और प्रसिद्ध हुआ कि सुप्रसिद्ध व्यंगकार हरिशंकर परसाई से उन्हें इस पर पुरुस्कार मिला और साथ ही की गद्य पद्धति में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी उन्हीं से मिली। व्यंग्य के क्षेत्र में के. पी. सक्सेना अग्रणी रहे। कवि सम्मेलनों में उनके जाने से चार चाँद लग जाते थे। कवि ना होते हुए भी उन्हें गद्य विधा में हास्य व्यंग्य पढ़ने के लिए आमंत्रित करा जाता था। लखनऊ की गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक उनके लेख और व्यंग्य में स्पष्ट रूप से दिखती थी।

मिर्ज़ा का किरदार

के. पी. सक्सेना के व्यंग्य की शैली अनूठी थी; आम आदमी के रोज़मर्रा से जुड़ी समस्याओं, सामाजिक कुरीतियों, राजनैतिक मुद्दों को हिंदी उर्दू के मिले जुले शब्दों, अनोखी उपमाओं और खुद के गढ़े हास्यप्रद और अर्थपूर्ण मुहावरों से बड़ी सहजता से अपनी मीठी ज़ुबान में कह जाते थे, पर उनका असर सुनने वाले के दिल-ओ-दिमाग पर गहरा होता था। मिर्ज़ा नाम के एक काल्पनिक दोस्त और हमउम्र उनके लेख के मुख्य किरदार हुआ करते थे, उन्ही की तरह मिर्ज़ा भी पान के मुरीद थे और हर सुख दुःख में उनके साथ रहते और उनकी मन की सब बातें समझ लेते थे। अपने सब लेख व्यंग्य उन्होंने मिर्ज़ा को केंद्र बिंदु बनाकर लिखे, मिर्ज़ा नामक ये किरदार इतना बहुचर्चित रहा कि अक्सर पाठकों-श्रोताओं को लगता कि मिर्ज़ा वास्तव में उनके कोई घनिष्ठ मित्र हैं।

पहला धारावाहिक

टी वी, रेडियो, रंगमंच, व्यंग आदि सभी में उन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी। टेलीविज़न पर लखनऊ दूरदर्शन के लिए के लिए पहला धारावाहिक' बीवी नातियों वाली उन्होंने ही लिखा जिसे देश का पहला 'सोप ओपेरा' होने का गौरव प्राप्त है। बीवी नातियों वाली सुपरहिट हुआ और इसने उन्हें एक अलग ही मुकाम पर पंहुचा दिया। इस धारावाहिक के माध्यम से टेलीविज़न को अपनी अनमोल देन के लिए के. पी. सक्सेना को आज भी याद करा जाता है और ये उनके जीवन में एक मील का पत्थर साबित हुआ। उनके लिखे कई स्टेज नाटक जैसे 'गज फुट इंच', 'बाप रे बाप अति लोकप्रिय रहे और आज भी इनका केवल लखनऊ ही नहीं बाहर भी मंचन होता है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चुनाव प्रसार के लिए भी के. पी. सक्सेना ने कई नाटकों का सृजन करा जो प्रसिद्ध रंगकर्मी उर्मिल कुमार थपलियाल जी के निर्देशन में बने और बहुचर्चित रहे।

टैरिफ वार के बीच सोने की चमक जारी, 10 ग्राम सोना 96000 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर व्यापारिक अनिश्चितता के बीच सोने का भाव लगातार चढ़ता जा रहा है और जल्द ही 10 ग्राम सोने की कीमत एक लाख रुपए होने की उम्मीद की जा रही है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव लगभग 3000 रुपए की बढ़ोतरी के साथ 96,000 के स्तर पर पहुंच गया।

सोने का भाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होता है - पिछले एक सप्ताह में सोने के भाव में 7500 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। सराफा कारोबारियों के मुताबिक हर घंटे सोने के भाव में उतार-चढ़ाव चल रहा है। सोने का भाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होता है।

दो अप्रैल को अमेरिका की ट्रंप सरकार की तरफ से 75 देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा से वैश्विक व्यापार में उत्पन्न अनिश्चितता सोने के भाव को लगातार मजबूती प्रदान कर रही है।

दुनिया के तमाम बड़े स्टॉक एक्सचेंज में भारी गिरावट - चीन और अमेरिका में मंदी की आशंका के साथ भू-राजनीतिक चुनौतियों से कच्चे तेल के भाव में पिछले 15 दिनों में 10 डालर प्रति बैरल की गिरावट आई है। दुनिया के तमाम स्टाक बाजार पिछले 12 दिनों से उथल-पुथल झेल रहे हैं और दो अप्रैल के बाद तो दुनिया के तमाम बड़े स्टॉक एक्सचेंज में भारी गिरावट देखी गई।

ट्रंप की तरफ से पारस्परिक शुल्क को आगामी 90 दिनों पर टालने के फैसले के बाद बाजार में थोड़ी तेजी जरूर आई है, लेकिन अनिश्चितता के बादल अभी छंटे नहीं है। इसलिए दुनिया के निवेशकों को बाजार और कच्चे तेल की जगह सोना सबसे सुरक्षित निवेश दिख रहा है।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध तेज- डॉलर में भी पहले की तरह मजबूती नहीं रह गई है। एलकेपी सिक्युरिटीज के वीपी (कमोडिटी एंड करेंसी) जतिन त्रिवेदी के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध तेज होने और वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता से सोना सुरक्षित निवेश माना जा रहा है। उनका मानना है कि शुल्क को लेकर जारी विवाद और वैश्विक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को देखते हुए सोने के दाम में अभी तेजी जारी रह सकती है।

अनिल अंबानी का यह स्टॉक 20% तक चढ़ा, कीमत 50 रुपये से कम, टारगेट प्राइस से अभी दूर शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां ट्रंप के टैरिफ की वजह से शेयर बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। तो वहीं अनिल धीरूभाई अम्बानी ग्रुप स्टॉक रिलायंस पावर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक महीने के दौरान 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। इस अकेले स्टॉक का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स, निफ्टी50 और निफ्टी बैंक इंडेक्स से अच्छा प्रदर्शन किया है। बीते एक महीने के दौरान निफ्टी50 1.60 प्रतिशत, बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स में 1.52 प्रतिशत और बैंक निफ्टी इंडेक्स में 6.13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। स्मॉल कैप इंडेक्स में पिछले एक महीने में 3.81 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं, इस दौरा मिड कैप इंडेक्स में 2.31 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। मार्च 2020 में कंपनी के शेयरों का भाव 1 रुपये से भी कम हो गया था। लेकिन वहां से स्टॉक रिकवर करने में सफल रहा है। जिसकी वजह से स्टॉक का भाव 40 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। हालांकि, इस स्टॉक का भाव अपने 375 रुपये के आल टाइम हाई से अब भी बहुत दूर है। रिलायंस पावर के शेयरों पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स की मानें तो शॉर्ट टर्म के लिए 48 रुपये से 52 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, अनिल अंबानी के शेयरों का 52 वीक लो लेवल 36 रुपये प्रति शेयर है।

इस सरकारी बैंक ने कर्ज की ब्याज दर में की कटौती, 35 पर है इसका शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने रेपो से संबद्ध ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। बैंक ने बताया कि रेपो से संबद्ध कर्ज पर ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत की कटौती के साथ 9.10 प्रतिशत से घटाकर 8.85 प्रतिशत कर दिया गया है। यह कटौती 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हालिया बैठक में नीतिगत दर रेपो को 6.25 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच आया है।

बिकवाली मोड में है शेयर- इंडियन ओवरसीज बैंक के शेयर की बात करें तो यह बिकवाली मोड में है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर 1.30% टूटकर 34.80 रुपये पर आ गया। यह शेयर 7 अप्रैल 2025 को 33.01 रुपये के निचले स्तर तक आया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। बीते साल मई महीने में शेयर की कीमत 75.45 रुपये पर थी, यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

बीते वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का नेट प्रॉफिट 21 प्रतिशत बढ़कर 874 करोड़ रुपये रहा है। बैंक का गत वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में प्रॉफिट 723 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही में बैंक की कुल आय सालाना आधार पर 7,437 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,409 करोड़ रुपये हो गई।

शेयर बाजार में धड़ल्ले से पैसा लगा रहे लोग, 22 करोड़ से ज्यादा हो गए निवेशक खाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक खातों की कुल संख्या इस महीने 22 करोड़ को पार कर गई। मात्र छह महीने के भीतर दो करोड़ से अधिक निवेशक खाते जुड़े हैं।

20 जनवरी, 2025 को 11 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बाद, यूनीक रजिस्टर्ड इन्वेस्टरों की संख्या 11.3 करोड़ (31 मार्च, 2025 तक) हो गई है। एक निवेशक विभिन्न ब्रोकरों के साथ खाते रख सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कई क्लाइंट कोड हो सकते हैं।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक निवेशक- 3.8 करोड़ निवेशक खातों के साथ महाराष्ट्र सबसे आगे हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 2.4 करोड़, गुजरात में 1.9 करोड़ और राजस्थान व बंगाल लगभग 1.3 करोड़ निवेशक खाते हैं। इन राज्यों में कुल खातों का लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि शीर्ष 10 राज्य कुल संख्या का लगभग तीन-चौथाई योगदान करते हैं।

एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा, भारत का निवेशक आधार तेजी से बढ़ रहा है, केवल छह महीनों में 2 करोड़ से अधिक नए खाते जोड़े गए हैं। यह वैश्विक आर्थिक बाधाओं के बावजूद भारत के विकास पथ में मजबूत निवेशक विश्वास का स्पष्ट प्रतिबिंब है।

अपने बैंक खाते में कितना रखा जा सकता है कैश, क्या कहता है RBI का नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर किसी के पास बैंक में एक सेविंग अकाउंट तो होता ही है। क्योंकि बिना खाते के आप किसी भी तरह की ऑनलाइन ट्रांसजेक्शन नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही बैंक में रखे हुए पैसों को ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

चाहे कोई इंडिविजुअल हो, स्माल बिजनेस हो या कोई प्रोफेशनल व्यक्ति हर किसी के पास एक या उससे ज्यादा सेविंग अकाउंट होते हैं। लेकिन सेविंग अकाउंट में भी आप एक लिमिट तक ही कैश रख सकते हैं।

अगर आरबीआई द्वारा तय की गई लिमिट से ज्यादा कैश रखा जाता है, तो आप पर भारी जुर्माना लग सकता है। इसके साथ ही लिमिट से ज्यादा अमाउंट रखने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का भी खतरा रहता है।

सेविंग अकाउंट में पैसे जमा की क्या है लिमिट - खाताधारक सेविंग खाते में 10 लाख रुपये तक रख सकता है। लेकिन अगर ये लिमिट 10 लाख रुपये से ज्यादा हो जाती है। तो आपको रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित करना होगा। ये सूचना आपको एआईआर के तहत देनी होगी। इसका मतलब ये नहीं है कि आपको टैक्स भरना होगा, लेकिन अगर ये अमाउंट इनकम से अधिक ज्यादा होती है। तो इसके लिए जवाबदेही होना पड़ेगा।

इसके अलावा करंट सेविंग अकाउंट में ये लिमिट 50 लाख रुपये है।

इन ट्रांसजेक्शन में होती है पैन नंबर की जरूरत- अगर कोई व्यक्ति 50 हजार या इससे ज्यादा की ट्रांसजेक्शन करते हैं, तो इसके लिए पैन नंबर की जरूरत पड़ती है। या अगर ट्रांसजेक्शन अमाउंट एक साल की तय अवधि को पार कर देता है। तो भी पैन नंबर की जरूरत पड़ती है।

ऐसे में समय पैन कार्ड की जरूरत इसलिए पड़ती है। ताकि खाते से ट्रांसजेक्शन हुए अमाउंट की जांच हो सके। हालांकि इसमें कोई टैक्स नहीं देना होगा, लेकिन इस अमाउंट के बारे में आपको टैक्स डिपार्टमेंट को जानकारी देनी होगी।

ये प्रूफ देना होगा कि ये अमाउंट कहां से क्रेडिट हुआ है या ये पैसे आपको किस जगह से मिले हैं। इसलिए अगर आपके पास सेविंग खाता है, तो लिमिट तक ही कैश रखें। वहीं इन पैसों आप किसी स्कीम या एफडी में निवेश कर मोटा फंड भी तैयार कर सकते हैं।

कुछ बैंक आपको सेविंग खाते से फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट में बदलने की सुविधा भी देती है। इस बारे में आप अधिक जानकारी अपने बैंक की वेबसाइट से ले सकते हैं।

अगले सप्ताह 2 दिन शेयर बाजार में नहीं होगी ट्रेडिंग, क्या है वज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते सप्ताह के दौरान अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर की वजह से भारतीय शेयर बाजार में तेज हलचल थी। अब नए हफ्ते में बाजार का क्या रुख होगा, यह देखना अहम है। हालांकि, अगले सप्ताह के दौरान शेयर बाजार में ट्रेडिंग-डे की संख्या कम होगी। अगले सप्ताह दो दिन शेयर बाजार की छुट्टियां होंगी।

बीएसई और एनएसई की वेबसाइट पर शेयर बाजार की छुट्टियों की 2025 सूची के अनुसार, सोमवार और शुक्रवार को बीएसई और एनएसई में कोई व्यापारिक गतिविधि नहीं होगी। सोमवार को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में बंद रहेंगे। इसी तरह, गुड फ्राइडे के कारण अगले सप्ताह शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। एनएसई और बीएसई पर सोमवार और शुक्रवार को व्यापारिक गतिविधियां निलंबित रहेंगी। कमोडिटी और करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग भी सोमवार, 14 अप्रैल 2025 और शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 को निलंबित रहेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे गांव से 14 साल के बच्चे को उठा ले गया बाघ

उमरिया । उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे पिपरिया गांव के समीपी जंगल से बड़ी घटना हो गई। शनिवार सुबह गांव से लगे जंगल में महुआ बीनने गए 14 वर्षीय बालक पर झाड़ियों में छिपे बाघ ने हमला कर दिया। इसके बाद उसे जबड़े में दबोचकर जंगल की ओर ले गया।

जानकारी के मुताबिक विजय कोल पिता अर्जुन अपने साथी के साथ शनिवार की सुबह गांव से लगे जंगल की ओर महुआ बीनने गया था, जहां झाड़ियों में छिपे बाघ ने उस पर हमला कर दिया।घटना की जानकारी के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहीं टाइगर रिजर्व प्रबंधन का जमीनी अमला भी घटनास्थल पंहुचा है। कड़ी मशक्कत के बाद बालक का शव नाले में मिला है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इधर... बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर रेंज में दिखा दुर्लभ सोन कुत्तों का झुंड

बुधवार 11 अप्रैल को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र की पनपथा बीट में फील्ड स्टाफ को गश्त के दौरान 12 नग सोनकुत्ते तालाब में पानी पीते हुए दिखाई दिए, जिसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा बताया गया कि सोन कुत्ते अत्यंत दुर्लभ जीव है और किसी निश्चित स्थान पर न रहकर जंगलों में यहां वहां झुंड समेत विचरण करते रहते हैं।

परिस्थितिक तंत्र में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। गौरतलब है की बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की पतौर, मानपुर और धमोखर रेंज में कभी-कभी सोन कुत्तों का झुंड दिखाई देता है।

भौंकते नहीं सीटी बजाते हैं

कान्हा टाइगर रिजर्व के पूर्व रिसर्च अधिकारी डॉ. राकेश शुक्ला का कहना है कि सोन कुत्ता सामान्य कुत्तों की भांति भौंकता नहीं, बल्कि सीटी बजाने जैसी आवाज निकालता है। झुंड में रहने वाले सोन कुत्तों का भी पूरी तरह से एक सामाजिक सिस्टम होता है। झुंड में ही ये जंगली जानवरों का शिकार करते हैं। बांधवगढ़ में इन वन्य प्राणियों के दिखाई देने के बाद इनकी सुरक्षा के उपायों को लेकर भी चर्चा होने लगी है।

पत्नी, बेटी के साथ खाना खाया कुछ देर बाद बच्ची के झूले का फंदा बनाकर लगा ली फांसी

भोपाल। ऐशबाग में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक पिछले कई दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था। शुक्रवार रात को काम से लौटने के बाद उसने पत्नी व बेटी के साथ खाना खाया। कुछ देर बाद पत्नी ने देखा तो युवक बेटी के झूले का फंदा बनाकर उसपर लटका मिला। युवक को अस्पताल ले जाया गया तो डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर पुलिस के मुताबिक आकाश 28 वर्षीय गजानंद सावडेकर मूलत~ महाराष्ट्र के अकोला का रहने वाला था। वर्तमान में वह ऐशबाग में किराये से रहते हुए प्राइवेट नौकरी करता था। शुक्रवार रात करीब दस बजे वह काम से घर लौटा। उसने देर रात पत्नी व अपनी 18 महीने की बेटी के साथ बैठकर खाना खाया। पत्नी काम से फुर्सत होकर पड़ोस में सास के पास गई थी। कुछ देर बाद वापस कमरे में लौटी तो आकाश फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसने बेटी के लिए साड़ी के बनाए गए झूले का फंदा बना लिया था। पति को फंदे पर लटका दिख महिला ने शोर मचाया तो पड़ोसी इकट्ठा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। स्वजनों व पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि आकाश कई दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था।

बीयू से बीएएलएलबी और बीएससी एग्रीकल्चर के लिए सीयूईटी देना अनिवार्य

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय(बीयू) ने सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित 70 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार बीयू से बीएएलएलबी और बीएससीं एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) देना अनिवार्य होगा। वहीं यूटीडी में संचालित अधिकतर पाठ्यक्रमों में सीयूईटी और नॉन सीयूईटी (ऐसे छात्र जो सीयूईटी-यूजी व पीजी में शामिल नहीं होंगे) दोनों तरह के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस बार 75 फीसद सीट पर नान सीयूईटी और 25 फीसद सीयूईटी के लिए आरक्षित होंगी। 12वीं के परिणाम के तुरंत बाद शुरू होगी प्रक्रिया

अधिकारियों ने बताया कि 12वीं के परिणाम घोषित होते ही पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। खासतौर पर यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मप्र बोर्ड 12वीं का रिजल्ट आने के बाद पंजीयन शुरू किए जाएंगे।

पीजी पाठ्यक्रमों में भी नान सीयूईटी को प्राथमिकता रहेगी

पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) पाठ्यक्रमों में बीते वर्षों में सीयूईटी स्कोर के आधार पर पर्याप्त प्रवेश नहीं हो सके। विवि में अधिकत्तर विद्यार्थी नान सीयूईटी श्रेणी से ही आवेदन करते हैं, इसलिए पीजी पाठ्यक्रम के लिए भी 75 प्रतिशत सीटें नान सीयूईटी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं।

यूजी तीसरे वर्ष का परिणाम समय पर देना होगी

विवि के सामने यूजी तीसरे वर्ष का परिणाम समय पर घोषित करना सबसे बड़ी चुनौती है, ताकि नान सीयूईटी विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें।यदि यह प्रक्रिया देरी से होती है, तो प्रवेश में परेशानी आ सकती है।

सीयूईटी देने वाले विद्यार्थियों के लिए 25 प्रतिशत सीटें और 75 प्रतिशत सीटें नान सीयूईटी के लिए रहेंगी। कुछ पाठ्यक्रम बीएएलएलबी और कृषि में सीयूईटी के तहत ही प्रवेश दिए जाएंगे।इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन अधिक आते हैं।

प्रो. रुचि घोष
दस्तीदार,समन्वयक, प्रवेश समिमि,बीयू

PM Modi को एक घंटा प्लेन में करना पड़ा इंतजार, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अलर्ट पर रहे पुलिस-प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां

ग्वालियर। देश के दूसरे सबसे बड़े एयरबेस महाराजपुरा एयरफोर्स स्टेशन पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घंटाभर इंतजार करना पड़ गया। इसका कारण था दिल्ली में खराब मौसम , जिस कारण विमान को उड़ने के लिए क्लियरेंस देरी से मिल सका। पीएम यहां अशोकनगर जिले में कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। उनकी ग्वालियर में ट्रांजिट विजिट थी। दोपहर में लगभग दो बजे उनका विशेष विमान ग्वालियर महाराजपुरा एयरफोर्स स्टेशन पर उतरा। इसी कारण इससे 15 मिनट पहले सिविल एयरपोर्ट से बेंगलुरू की फ्लाइट को रवाना करना पड़ा। शाम को पीएम के अशोकनगर से लौटने के बाद ग्वालियर एयरबेस से शाम लगभग साढ़े छह बजे रवानगी तय थी, लेकिन क्लीयरेंस घंटे भर बाद मिल सका। इसके बाद शाम साढ़े सात बजे उनका विमान दिल्ली के लिए रवाना हो सका। इस दौरान स्थानीय प्रशासन से लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर रहीं। अधिकारियों के अनुसार, घंटाघर पीएम विमान में ही मौजूद रहे।एक फ्लाइट 15 मिनट पहले रवाना तो मुंबई की फ्लाइट को थोड़ा रोकना पड़ा ग्वालियर से बेंगलुरू जाने वाली फ्लाइट को 15 मिनट पहले एक बजकर 45 मिनट पर रवाना कर दिया गया।

भोपाल में क्लीनिकों पर एक्शन, डॉक्टर रिचा को खुदकुशी के लिए उकसाने वाले पति का क्लीनिक भी निकला फर्जी

भोपाल। महिला डॉक्टर रिचा पांडे को खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोप में जेल में बंद पति अभिजीत पांडे चार साल से एमपी नगर में बगैर अनुमति के क्लीनिक संचालित कर रहा था। वह क्लीनिक में सौंदर्य बढ़ाने का इलाज करता था। साथ ही त्वचा और बाल के इलाज के लिए कई प्रकार की प्रतिबंधित दवाएं भी लोगों को बेच रहा था।

क्लीनिक की जांच कर रही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम को अभिजीत पांडे के पास से डॉक्टर की डिग्री भी नहीं मिली है। टीम ने शुक्रवार को जांच पूरी कर ली है, रिपोर्ट को जल्द ही कलेक्टर और पुलिस के पास भेजा जाएगा। जिसके बाद आरोपित डॉक्टर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज होगा। स्टोर रूम में घुस रहे थे अज्ञात लोग

रिचा पांडे की मौत के बाद स्वजनों ने उनके पति अभिजीत के क्लीनिक में अवैध गतिविधियां संचालित होने का आरोप लगाया था। स्वजनों के आरोपों को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम एलके खरे के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। जिसने तीन अप्रैल को अभिजीत के एमपीनगर स्थित चित्तौड़ काम्पलेक्स में संचालित क्लीनिक की तलाशी ली थी, जिसमें रजिस्ट्रेशन नहीं होना पाया गया था।

तहसीलदार आलोक पारे ने बताया कि बुधवार को कुछ अज्ञात लोग क्लीनिक के स्टोर रूम में घुसकर सामान निकालने का प्रयास कर रहे थे। आसपास के लोगों ने विरोध किया तो वे भाग गए, वहीं जानकारी मिलने पर प्रशासन की टीम ने स्टोर रूम में सर्चिंग की तो प्रतिबंधित दवाएं मिलीं। साथ ही अवैध संचालन की पुष्टि हुई।

यह था मामला

बता दें आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर रिचा पांडे 22 मार्च को शाहपुरा स्थित घर में बंद कमरे में मृत अवस्था में मिली थीं। बाद में पीएम रिपोर्ट में सस्पेक्टेड पाइजन से मौत की पुष्टि हुई थी। पुलिस को उनके मोबाइल से डिजीटल सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उन्होंने अभीजित के विवाहेत्तर संबंध होने की बात लिखी थी।

असिस्टेंट प्रोफेसर थी रिचा

पुलिस ने अभिजीत के विरुद्ध खुदकुशी को उकसाने का केस दर्ज कर जेल भेज दिया था। मूलत~ लखनऊ निवासी 32 वर्षीय ऋचा पांडे ने जबलपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने के बाद जीएमसी भोपाल से एनेस्थीसिया से एमडी किया था। वर्तमान में वह आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थीं। करीब पांच महीने पहले उनकी सतना निवासी अभिजीत पांडे से शादी हुई थी।

भोपाल में फर्जी क्लीनिकों पर हो रहा एक्शन

दमोह में सात लोगों की जान लेने वाले फर्जी डॉक्टर के मामले के बाद प्रदेश में अवैध रूप से क्लीनिक चलाने का बड़ा मामला भोपाल से सामने आया है। यहां बेपरवाह स्वास्थ्य विभाग की नाक के नीचे कई सालों से अवैध क्लीनिक चल रहा था। हालांकि दमोह मामले के बाद सरकार के निर्देश पर स्वास्थ्य की टीम ने शहर के कुछ फर्जी क्लीनिकों पर शुक्रवार को कार्रवाई की है।

झाबुआ पुलिस का नवाचार – बिना दहेज, बिना डीजे, बिना शराब के शादियों को दिया जा रहा प्रोत्साहन

इंदौर। झाबुआ जिले में पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल की पहल पर झाबुआ पुलिस द्वारा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक प्रभावी नवाचार प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बिना दहेज, बिना डीजे और बिना शराब के होने वाली शादियों में स्वयं उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद देते हैं और समाज को एक सकारात्मक संदेश देते हैं। झाबुआ पुलिस द्वारा विगत 10 माह से जिले में विवाह समारोहों में दहेज, डीजे और शराब के उपयोग के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से प्रभावित होकर ग्राम सुरडिया, थाना राणापुर निवासी श्री सायबा मेडा ने 23 मार्च 2025 को ग्राम कुंदनपुर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान यह संकल्प लिया कि वे अपनी पुत्री राधा का विवाह बिना दहेज, बिना डीजे और बिना शराब के करेंगे। अपने इस संकल्प को साकार करते हुए श्री सायबा मेडा ने पुलिस अधीक्षक को अपनी पुत्री की शादी में आमंत्रित किया। 11 अप्रैल 2025 को पुलिस अधीक्षक द्वारा विवाह समारोह में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं व वर-वधू को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को भी प्रेरित किया कि वे सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने हेतु इस प्रकार के नवाचारों को अपनाएं और विवाह जैसे पवित्र बंधन को सादगी से संपन्न करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल, एसडीओपी पेटलावद श्री कमलेश शर्मा, थाना प्रभारी थाना रानापुर श्री दिनेश रावत, रक्षा सखी टीम एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बड़े नगर निगम क्षेत्रों में गौशालाएं बनेगी

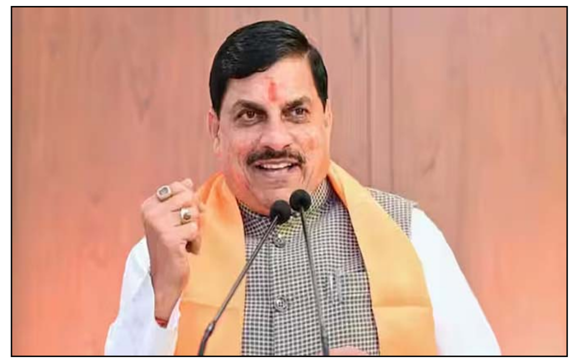

इंदौर। इंदौर के समीप महू के आशापुर गांव में नगर निगम गौशाला का निर्माण कर रहा है। शनिवार को इसकी भूमिपूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गौमाता अपने बच्चों को तो पालती है। इंसान का भी ध्यान रखती है। गौमाता का अमृततुल्य दूध पीकर हम बड़े होते है। हमारी संस्कृति में पहली रोटी गौमाता के लिए रखी जाती है। आखरी रोटी कुत्ते के लिए बनाई जाती है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति से जुड़ने के नियम बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता की रक्षा का संकल्प युगों-युगों से हमारी संस्कृति से जुड़ा है। पहले माना जाता था कि भारत में दूध-दही की नदियां बहती है। खेती-बाड़ी में गौमाता की पहले काफी मदद ली जाती थी, लेकिन बाद में ट्रैक्टर, नए उपकरणों का उपयोग किया जाने लगा। इसकी मार हमारी गौमाता पर पड़ी। जाने-अंजाने हमसे गलतियां भी हुई, लेकिन हमे वापस ध्यान में आ गया कि रासायनिक खाद के उपयोग से नुकसान हो रहा है। जैविक खाद से किसान की लागत भी कम हो रही है और पौष्टिक अन्न का उत्पादन हो रहा है। हमने संकल्प लिया है कि गौमाता को लावारिस नहीं रहने दिया जाएगा। सभी नगर निगम को बड़ी गौशालाएं बनाने के लिए कहा गया है। इसके लिए राज्य सरकार भी मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि हमारा देश भगवान राम और कृष्ण की धरती है। देश की पहचान उनसे भी होती है। प्रदेश में जहां भी राम और कृष्ण की लीलाएं हुई है। उसे हम तीर्थ बनाएंगे। महू के जाना पाव को भी तीर्थ स्थल का रुप दिया जाएगा।

मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि सवा सौ बीघा में गौशाला तैयार की जा रही है। हम इस गौशाला को आत्मनिर्भर बनाएंगे। यहां दस हजार गौवंश के रहने की व्यवस्था की जाएगी। एक साल के भीतर यह गौशाला बनकर तैयार हो जाएगी।

ई- श्रम पोर्टल पर पंजीयन हेतु विशेष अभियान 17 अप्रैल तक

इंदौर। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित और असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ गिग / प्लेटफार्म वर्कस श्रमिकों सहित सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक व्यापक डेटाबेस ई- श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा भी गिग / प्लेटफार्म वर्कस की सामाजिक सुरक्षा लक्षित करते हुए इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट 2025-26 में गिग / प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किये जायेंगे। गिग / प्लेटफार्म वर्कस के ई- श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन हेतु 17 अप्रैल 2025 तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। ई श्रम का पंजीयन आनलाइन लिंक https://register.eshram.gov.in/#/user/platform-worker-registration के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है। इसमें श्रमिक का आधार कार्ड, एक्टिव आधार में लिंक मोबाइल नंबर व बैंक खाते की जानकारी अपडेट कर किया जा सकता है अथवा किसी भी सी.एस.सी. सेन्टर पर उपस्थित होकर पंजीयन कराया जा सकता है। संबल योजना के पंजीयन हेतु किसी भी एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क से आवेदन किया जा सकता है। इंदौर जिले में कार्यरत गिग / प्लेटफार्म वर्कस जैसे जोमेटो, स्वीगी, ईट श्योर, फूड पांडा, अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बास्केट, ग्रोफर, जेप्टों,ब्लिंकिट, बेस्ट प्राईस, मेट्रो, डी-मार्ट, ओला, उबर, जुगनू, रेपिडो आदि में कार्य करने वाले ऐसे कर्मचारी जो कम्पनी में नियमित कर्मचारी नहीं है से अपील की गई है कि वे अपना पंजीयन ई- श्रम पोर्टल पर तत्काल कराकर योजना का लाभ उठाये।

इंदौर की हवा सबसे जहरीली, AQI 236 के खतरनाक स्तर पर पहुंचा

इंदौर। इंदौर में एक बार फिर से वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक होता जा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स 1 अप्रैल से लगातार 100 के ऊपर बना हुआ है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, AQI में भी वृद्धि देखी जा रही है। शहर में वाहनों की बढ़ती संख्या, विकास के अधूरे निर्माण कार्य और शहर के सीमावर्ती इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं के चलते प्रदूषण में और इजाफा हो रहा है। छोटी ग्वालटोली स्थित रियल टाइम पॉल्यूशन स्टेशन के मुताबिक, 9 अप्रैल को शहर का AQI लेवल 236 तक पहुंच गया था। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, पीएम-10 और नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि AQI के 100 से ऊपर होने पर यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाता है, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों के लिए।

आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट में खुलासा - आईआईटी इंदौर द्वारा की गई स्टडी में यह सामने आया है कि मध्य प्रदेश में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के नागरिक साल में औसतन 70 से 80 दिन बेहद प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, जो पहले केवल 15 से 25 दिन होते थे। हालांकि दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश की तुलना में मप्र का प्रदूषण स्तर थोड़ा कम है, फिर भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यह अध्ययन आईआईटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मनीष कुमार गोयल और उनकी टीम द्वारा किया गया, जो टेक्नोलॉजी इन सोसाइटी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मप्र में औसतन पीएम 2.5 का वार्षिक स्तर 40-45 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि चरम प्रदूषण के दिनों में यह 200-250 तक पहुंच जाता है।

डब्ल्यूएचओ मानकों से कई गुना ज्यादा है प्रदूषण, महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित -आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि मप्र में प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 8 से 9 गुना ज्यादा है। स्टडी में यह भी पाया गया है कि महिलाएं प्रदूषण से अधिक प्रभावित हो रही हैं, जिसका मुख्य कारण घरेलू स्तर पर ठोस ईंधन (जैसे लकड़ी और कोयला) से खाना पकाने के कारण उत्पन्न होने वाला धुआं है। प्रो. मनीष गोयल ने यह भी बताया कि पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म कण बेहद खतरनाक हैं, क्योंकि ये फेफड़ों और रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसे कणों से शरीर को रोकने के लिए कोई प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिससे यह गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

विकास कार्य, बढ़ती गर्मी और हरियाली की कमी बना रही प्रदूषण का कारण- मध्य प्रदेश में बढ़ते AQI लेवल के पीछे कई अहम कारण सामने आए हैं, जिनमें प्रमुख हैं शहरों में चल रहे तेजी से विकास कार्य, वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी, गर्मी में बढ़ा हुआ एसी का उपयोग और हरियाली की कमी।

मिशन परिवार विकास पखवाड़े का शुभारंभ

इंदौर। संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ आज जिले में भी मिशन परिवार विकास पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इंदौर से जागरुकता रथ को क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शाजी जोसेफ एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शाजी जोसफ की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. शाजी जोसेफ ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परामर्श का महत्वपूर्ण स्थान है। परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई सायनों के संबंध में हितग्राही को परामर्श दिया जाना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसी आधार पर वह सेवाएं लेने के लिए तैयार रहता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने पखवाड़े का शुभारंभ करते हुए कहा कि मुख्य रूप से शादी की उम्र में देरी, दो बच्चों के बीच में कम से कम तीन साल का अंतर, अंतरा, PPIUCD तथा परिवार नियोजन में पुरुषों सहभागिता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता ने कहा कि जिले में पखवाड़े -के अंतर्गत मुख्य रूप से स्थायी साधन के रूप में परिवार कल्याण कार्यक्रम शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रसव के बाद गर्भ निरोधक सेवाएं जैसे PPIUCD, अंतरा, छाया पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी डॉ. मनीषा पंडित ने बताया कि गर्भनिरोधक साधनों के लिए हितग्राही को बास्केट ऑफ च्वाइस उपलब्ध कराई जाएगी। परिवार कल्याण कार्यक्रम सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आधार है, सुखी एवं स्वस्थ परिवार ही समृद्ध जीवन का आधार होता है। इस दौरान सभी को अपनी भूमिका का निर्वहन सशक्त रुप से करना होगा। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हेमन्त गुप्ता, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता, बी.ई.ई. रुकमेश यादव, आशा कार्यकर्ता भी उपस्थिति थी।

उचित मूल्य दुकानों के प्रत्येक हितग्राहियों को कराना होगा ई-केवायसी

इंदौर। राज्य शासन द्वारा 01 मई से स्मार्ट पीडीएस सिस्टम लागू किया जा रहा है। इसके तहत ई-केवायसी वाले उपभोक्ताओं को ही राशन उचित मूल्य दुकानों से मिलेगा। उपभोक्ताओं को 30 अप्रैल तक ई-केवायसी कराना अनिवार्य होगा। जिले में ई-केवायसी से शेष एक लाख 68 हजार के लगभग उपभोक्ता है। ऐसे सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे अपनी ई-केवायसी जल्द से जल्द करवा लें। ई-केवायसी के लिये इंदौर जिले में अभियान चलाकर विशेष व्यवस्था की गई है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ई-केवायसी के अभियान के लिये नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये है। ग्रामीण क्षेत्र में सब डिवीजन लेवल पर सभी एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। नगर निगम क्षेत्र के लिए नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अनिल बावरिया नोडल अधिकारी रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्र के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन और पूरे जिले में को ऑर्डिनेशन पर्यवेक्षक के लिए श्री गौरव बेनल को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण श्री प्रवीण उपाध्याय नगर परिषदों के लिए नोडल अधिकारी बनाये गये है। कलेक्टर श्री आशीष ने सभी स्थानीय निकाय, एसडीएम, सभी आपूर्ति अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि शेष रहे उपभोक्ताओं के ई-केवायसी समय सीमा में पूर्ण करायें। ऐसे परिवार जो बाहर चले गये हो अथवा ऐसे उपभोक्ता जिनकी मृत्यु हो गई है उनके नाम विलोपित कराये जाये।

ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, वार्ड में वार्ड प्रभारी को सूची उपलब्ध कराकर समय सीमा में उनके विलोपन की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. द्वारा जाल सभागृह में भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. द्वारा 12, 13 एवं 14 अप्रैल को जाल सभागृह में भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव का 17वां वर्ष है। इस मर्तबा महोत्सव की थीम एआई और परिवर्तन 2047 रखी गई है। 72 घण्टे के इस विशिष्ट आयोजन में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया के 100 से अधिक पत्रकार भाग लेंगे।

मूर्धन्य सम्पादक श्री राहुल बारपुते, श्री राजेन्द्र माथुर, श्री प्रभाष जोशी, श्री माणिकचंद वाजपेयी, श्री रमेशचंद्र अग्रवाल, श्री अभय छजलानी एवं डॉ. वेद प्रताप वैदिक की स्मृति में आयोजित इस पत्रकारिता पर्व में छः वैचारिक सत्र और तीन मास्टर क्लास का आयोजन होगा। महोत्सव के अंतर्गत मध्यप्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर केन्द्रीत छायाचित्र प्रदर्शनी एवं एआई पर एकाग्र चित्रकला प्रदर्शनी %छवि नए युग की' का आयोजन भी किया गया है। महोत्सव के दौरान एआई के विभिन्न स्वरूपों पर केन्द्रीत 150 पृष्ठों की उद्देश्यपूर्ण स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

शनिवार 12 अप्रैल को प्रातः 11 बजे एआई की आंधी और भविष्य, दोपहर 2 बजे एआई और न्यूज रूम तथा शाम 5 बजे एआई और चुनाव परिदृश्य पर चर्चा होगी। रविवार 13 अप्रैल को प्रातः 11 बजे एआई युग में शिक्षा, दोपहर 2 बजे एआई और पॉडकास्ट और शाम 5 बजे सायबर सुरक्षा पर मंथन होगा। सोमवार 14 अप्रैल को प्रातः 11 बजे एआई और रचनात्मकता के खतरे, दोपहर 2 बजे एआई एंकरिंग और कॅरियर तथा शाम 5 बजे एआई का चिकित्सा पर असर विषय पर संवाद होगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

विधायक,निगम अध्यक्ष एवं निगम आयुक्त द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गया कोटा स्थित ऋषि तलाई के पुनरुद्धार हेतु श्रमदान किया गया

ऋषि तलाई के पुनरुद्धार हेतु 15 दिवस का जन सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया जाकर कायाकल्प किया जाएगा

उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शनिवार को गया कोटा स्थित कुंड की सफाई एवं पास ही स्थित अति प्राचीन ऋषि तलाई पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा श्रमदान किया गया साथ ही संकल्प लिया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ऋषि तलाई के पुनरुद्धार एवं कायाकल्प हेतु नगर निगम द्वारा जन सहयोग, सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के साथ मिलकर एक व्यापक अभियान चलाया जाकर ऋषि तलाई को पुनः उसके मूल स्वरूप में लाया जाएगा।

नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा श्रमदान के पश्चात जानकारी देते हुए बताया गया कि गया कोटा स्थित ऋषि तलाई एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है साथ ही धार्मिक दृष्टि एवं पौराणिक मान्यताओं के आधार पर इस स्थान का बहुत महत्व है वर्तमान में यह ऋषि तलाई विलुप्त होने की कगार पर है इसके लिए इसके संरक्षण, संवर्धन के लिए संकल्पित होने की आवश्यकता है इस हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा अनुसार सप्तसागरों को सुंदर बनाएं जाने के क्रम में ऋषि तलाई को मूल स्वरूप में लाने हेतु नगर निगम द्वारा जनप्रतिनिधि गणों, सामाजिक संस्थाओं, जन भागीदारी से सभी की सहभागिता से इस पुनीत कार्य को करते हुए विशेष अभियान चलाया जाकर ऋषि तलाई का कायाकल्प एवं सौंदर्यकरण किया जाएगा।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष श्री रितेश जटिया, श्री विक्रम ठाकुर, अपर आयुक्त श्री संदीप शिवा, उपायुक्त श्री मनोज मौर्य, कार्यपालन यंत्री श्री केदार खत्री, जोनल अधिकारी श्री डीएस परिहार, स्वास्थ्य अधिकारी श्री हरीश व्यास, सर्वश्री ऋषि वर्मा, श्री शानू मेहता, श्री अशोक गहलोत उपस्थित रहें।

जैन समाज की 100 उदीयमान प्रतिभाओं ने मंच पर दिखाएं संस्कृति के रंग

सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में उदयमान बालक बालिकाओं को समान रूप से पुरस्कृत किया

उज्जैन। श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत जैन ग्रुप सागर उज्जैन द्वारा जैन समाज के उदयमान प्रतिभा संपन्न बालक बालिकाओं का सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पारस मारू, मनीष कोठारी, सौरभ जैन, अश्विन मेहता उपस्थित थे। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की महिला संयोजीका प्रफुल्ल गादिया विशेष रूप से उपस्थित थी। जिनका स्वागत सागर ग्रुप के अध्यक्ष सुशील जैन, राहुल कटारिया, दिलीप गांवडी, शीतल चत्तर, मंगलेश कटकानी के द्वारा किया गया। उदयमान बालक बालिकाओं को समान रूप से पुरस्कृत किया गया। जिसकी नृत्य निर्देशिका वर्षा चत्तर रही। जिनके द्वारा 100 बच्चों को नृत्य प्रशिक्षण दिया गया। यह जानकारी जैन सोशल ग्रुप सागर के संस्थापक अध्यक्ष एवं महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के संयोजक संजय जैन खली वाले ने दी।

उज्जैन के पहले आर्किटेक्ट डॉ. धैर्य मेहता ने वास्तुकला में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की

उज्जैन। उज्जैन निवासी डॉ. धैर्य मेहता ने वास्तुकला में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करके उज्जैन का नाम रोशन किया है। वह उज्जैन के पहले ज्ञात आर्किटेक्ट हैं जिन्होंने वास्तुकला में पीएच.डी. पूरी की है। डॉ. धैर्य मेहता ने 2016 में एमएनआईटी जयपुर से बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 2018 में एनआईटी तिरुचिरापल्ली से एनर्जी एफिशिएंट एंड सस्टेनेबल आर्किटेक्चर में मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर पूरा किया। डॉ. मेहता ने हाल ही में एनआईटी तिरुचिरापल्ली से पीएच.डी. पूरी की है। डॉ. धैर्य मेहता का ध्यान कम लागत, सस्टेनेबल और कार्यात्मक इमारतों के निर्माण पर केंद्रित है, जिनमें प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन को प्राथमिकता दी जाती है।

डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म जयंती पर 14 अप्रैल को निकलेगी विशाल धम्म पद यात्रा

उज्जैन। भारतीय बौद्ध महासभा उज्जैन द्वारा विश्व रत्न बौध्दी सत्व संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म जयंती के अवसर पर आज 13 अप्रैल रविवार रात्रि 12 बजे टॉवर चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रजवलन, बुद्ध वंदना के साथ केक कटिंग की जाएगी।

अशोक बुद्ध विहार निर्माण समिति के अध्यक्ष मनोज नागदेवे एवं समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष लोखंडे ने बताया कि भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष रामदास जवादे की अध्यक्षता में 14 अप्रैल को प्रातः 8 बजे डीजे, बैंड बाजे के साथ अशोक बुद्ध विहार से विशाल धम्म पद यात्रा निकाली जाएगी। जो अशोक बुद्ध विहार से गणेशपुरा, लक्ष्मी नगर, शहीद पार्क होते हुए टॉवर चौक पहुंचेगी जहां डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुद्ध वंदना के पश्चात अशोक बुद्ध विहार में रैली का समापन होगा। प्रबुद्ध महिला संगठन ने सभी बौद्ध उपासक/उपासिकओं से अनुरोध किया कि सभी सफेद वस्त्र धारण कर समय पर पधारें। वहीं शाम 5 बजे सामाजिक न्याय परिसर में जूलूस में उपस्थित होवें।

पालकी में निकले भगवान हाटकेश्वर, जय हाटकेश के गूंजे नारे

नागर ब्राह्मण समाज ने मनाया हाटकेश्वर प्राकट्योत्सव, साधारण सभा में विजय शर्मा नवीन अध्यक्ष मनोनीत हुए

उज्जैन। भगवान हाटकेश्वर के प्राकट्य उत्सव पर नागर ब्राह्मण समाज द्वारा विशाल चल समारोह निकाला गया। पालकी में विराजमान भगवान हाटकेश्वर की प्रतिमा और बग्गी पर संत नरसिंह मेहता का चित्र आकर्षण के केंद्र रहे। चल समारोह हाटकेश्वर देवालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ हाटकेश्वर धर्मशाला उर्दूपुरा पहुंचा।

प्रारंभ में आचार्य पंडित कैलाश शुक्ल और अतिथियों द्वारा भगवान हाटकेश्वर की प्रतिमा का पूजन और दीप प्रज्वलन किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष भूपेंद्र त्रिवेदी द्वारा दिया गया। न्यास के अध्यक्ष डॉ जी के नागर द्वारा न्यास की प्रगति और समाज के विकास कार्यों पर प्रकाश डाला गया। हाटकेश्वर धाम के सचिव संतोष जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि न्यास द्वारा नरसिंह मेहता ट्रस्ट का गठन किया जा रहा है इस ट्रस्ट द्वारा नरसी मेहता जयंती का आयोजन और समाज की जरूरतमंद परिवार की बेटियों का विवाह निःशुल्क संपन्न कराया जाएगा।

तत्पश्चात समाज के वरिष्ठजनों रमेश नागर, योगेंद्र त्रिवेदी, अजय प्रकाश मेहता, उषा अभिमन्यु त्रिवेदी, प्रेमलता विष्णु नागर का स्वागत सम्मान शॉल, श्रीफल और सम्मान पत्र के साथ किया गया। समाज की युवा प्रतिभाओं तरुषी नरेंद्र नागर, डॉ जय मनोज शर्मा, डॉ शुभांगी जीके व्यास का सम्मान भी स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित साधारण सभा में कोषाध्यक्ष गिरीश मेहता द्वारा वर्ष 2024/25 के आय व्यय पत्रक का वाचन किया गया। साधारण सभा में आयोजित निर्वाचन में सभी समाजजनों द्वारा सर्वसम्मति से विजय शर्मा को निर्विरोध नागर ब्राह्मण समाज उज्जैन शाखा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल के अध्यक्ष प्रीति शर्मा एवं युवा अध्यक्ष अमित नागर एवं निवृत्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र त्रिवेदी द्वारा समाज जनों की ओर से नवीन अध्यक्ष विजय शर्मा का हार, श्रीफल और शाल से स्वागत किया गया। प्रातः काल से ही नागर ब्राह्मण समाज के तीनों देवालय हरसिद्धि, बंबाखाना एवं उर्दुपुरा में भगवान का पूजन अभिषेक में बड़ी संख्या में समाजजनों ने उत्साह से भाग लिया। महिलाएं केसरिया साड़ी एवं पुरुष वर्ग ने सफेद कुर्ता पायजामा परिवेश धारण कर रखा था। धर्मशाला में कमरा निर्माण करवाने वाले युगल सूर्य प्रकाश नागर एवं चंद्रकांता नागर को भी सम्मानित किया गया। संचालन ललित नागर द्वारा किया गया एवं आभार लव मेहता द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

उज्जैन के साथ विश्व के 108 देशों में गूंजा नवकार महामंत्र

उज्जैन। विश्व के 108 देशों के साथ उज्जैन में नवकार महामंत्र दिवस मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाईजेशन की इस पहल का समर्थन किया और पूरे जैन समाज को संबोधित करते हुए उन्होंने नवकार महामंत्र की महिमा एवं जैन समाज के कार्यों की प्रशंसा की।

उज्जैन में जीतो महिला विंग द्वारा फव्वारा चौक पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण एवं नवकार मंत्र के जाप का लाइव टेलीकॉस्ट कराया गया। जहाँ समाजजनों ने नवकार मंत्र का जाप किया और प्रधानमंत्री के भाषण को भी सुना। महिला विंग अध्यक्ष मंजू सूर्या, सचिव प्रीति मूथा ने बताया कि उज्जैन में भी सकल जैन समाज ने प्रातः 8 बजे से 9.30 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप किया। इस अवसर पर अतिथिद्वय उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, समाजसेवी डॉ. सतिंदर कौर सलूजा, अहमदाबाद से पधारे समाजसेवी ललित जैन, संघ अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गादिया, एमआईसी सदस्य रजत मेहता, तहसीलदार रूपाली जैन, संजय नाहर, ओम जैन, ज्योतिषाचार्य मंजुला जैन, महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के संयोजक प्रफुल्ल गादिया, संजय जैन खलीवाला, डॉ. संजीव जैन, वरूण श्रीमाल, अश्विन मेहता, जीवनदीप से महेंद्र नाहर, विनोद बरबोटा, सुरेश जैन, समाजसेवी शैलेष कलवाड़िया उपस्थित थे। जीतो संस्था द्वारा सभी का सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com